59	मान्धियोण तु जातः स्यात्कर्णयां रथकार्कः ।
60	कारुस्तु कारी प्रकृतिः शिल्पी
61	श्रीणास्तु तहणो ॥ दश्श
62	शिल्पं कला विज्ञानं च
63	मालाकार्स्तु मालिकः।
64	पुष्पातीवः । । । । । । । । । । । । । । । । । । ।
65	पुष्पलावी पुष्पाणामवचायिनि ॥ ६०० ॥
66	कल्पपालः सुराजीवी शापिडका मएडक्रिकः ।
67	वारिवासः पानविणाधतो ध्रुवासुतीवलः ॥ ६०१ ॥
68	मद्यं मिद्शा मिद्शा परिमुता कश्यं परिमुद्मधु कापिशायनम्।
69	गन्धात्तमा कल्पमिरा परिष्नुता कादम्बरी स्वाइर्सा कुलिप्रिया॥ १०२॥
70	श्रुएडा क्ला कार्झ्र प्रसना वारुणो सुरा।
71	माधीकं मदना देवसृष्टा कापिशमिब्धिता ॥ १०३॥
72	मधासवे माधवका
73	मर्वे मैर्वे शोधुरासवः।
74	नगला मेहको मद्यपङ्गः
75 BH	hana tend ciner 1803 ॥ इति मु न्या है। हैं। हैं। हैं। हैं। हैं। हैं। हैं।
76	नगडमध्वात च madina como mice 81 — Ajain V mante han
1	

59. Sohn eines Måhishja und einer Karani. — 60. Handwerker (4 W.). — 61. Zunft. — 62. Handwerk (3 W.). — 63. 64. Kranzwinder (3 W.). — 65. Blumenleser. — 66. 67. Brenner oder Verkäufer von berauschenden Getränken (9 W.). — 68—71. Berauschendes Getränk (26 W.). — 72. Ein aus Honig bereitetes berauschendes Getränk (2 W.). — 73. Rum (3 W.). — 74. Weinhaltende Flüssigkeit zum Destilliren (3 W.). — 75. 76. Gährungsmittel (4 W.)